

This question paper contains 8 printed pages.]

आपका अनुक्रमांक

420

B.A. (Programme) / I B

HINDI LANGUAGE (A) – Paper I

हिन्दी भाषा (क) – प्रश्नपत्र I

(प्रवेशवर्ष 2004/2006 और तत्पश्चात् नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए / NCWEB के विद्यार्थियों के लिए)

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

टिप्पणी : प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।

1. निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं। किन्हीं दो अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10 + 10

(क) बहुत कुछ ऐसी ही स्थिति है कबीर की उक्ति की भी, "संस्कृत कूप जल है, पर भाषा बहता नीर।" भाषा तो बहता नीर है। पर 'नीर' को एक व्यापक संदर्भ में

देखना होगा । साथ ही संस्कृत मात्र कूप जल कभी नहीं है । कबीर के पास इतिहास-बोध नहीं था अथवा था भी तो अधूरा था । इतिहास-बोध उनके पास रहता तो 'अत्याचारी' और 'अत्याचार-प्रस्त' दोनों को वह एक ही लाठी से नहीं पीटते । खैर, इस अवान्तर प्रसंग में न जाकर मैं इतना ही कहूँगा कि संस्कृत की भूमिका भारतीय भाषाओं और साहित्य के सन्दर्भ में 'कूप जल' से कहीं ज्यादा विस्तृत है । वस्तुतः उनके इस वाक्यांश, 'संस्कृत भाषा कूप जल' का सम्बन्ध भाषा-साहित्य से है ही नहीं । यह वाक्यांश पुरोहित तन्त्र के खिलाफ ढलेबाजी भर है जिसका प्रतीक थी संस्कृत भाषा ।

प्रश्न :

- (i) प्रस्तुत अनुच्छेद के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए ।
 - (ii) 'भाषा बहता नीर' का क्या तात्पर्य है ?
 - (iii) कबीर द्वारा "संस्कृत भाषा को कूप जल" कहने का क्या कारण लेखक ने माना है ?
 - (iv) लेखक ने यह क्यों कहा कि भाषा बहता नीर तो है पर संस्कृत भाषा कूप जल नहीं है ?
 - (v) कबीर के बारे में लेखक की क्या राय है ?
- (ख) इन एकदेशी भाषाओं में बंगाली सबसे अधिक कोमल, मधुर और सरस है । मरहटी महाकठोर और कर्णकटु तथा पंजाबी निहायत भद्दी कठोर और रूखापन में उर्दू की छोटी बहन है । अब अपनी हिन्दी की ओर आइए । इसमें सन्देह नहीं विस्तार में हिन्दी अपनी बहिर्नों में सबसे बड़ी है । ब्रजभाषा, बुन्देलखंडी, बैसवारे की तथा भोजपुरी इत्यादि इसके कई एक अवान्तर भेद हैं । ब्रजभाषा में यद्यपि कुछ मिठास है पर यह इतनी जनानी बोली है कि इसमें सिवाय शृंगार के दूसरा रस आ ही नहीं

सकता । जिस बोली को कवियों ने अपने लिए चुन रखा है वह बुन्देलखण्ड की बोली है इसमें सब प्रकार का काव्य और सब रस समा सकते हैं । अपनी-अपनी पसन्द निराली होती है “भिन्नरुचिर्ही लोकः ।” हमें बैसवारे की मर्दानी बोली सबसे अधिक भली मालूम होती है ।

प्रश्न :

- (i) प्रस्तुत पंक्तियों के पाठ व लेखक का नाम लिखिए ।
 - (ii) बंगाली और मरहठी (मराठी) के बीच लेखक ने क्या भेद बताया है ?
 - (iii) हिन्दी की प्रमुख बोलियों के नाम लिखिए ।
 - (iv) लेखक ने किन भाषाओं को ‘जनानी’ और ‘मर्दानी’ के विशेषणों से नवाज़ा है ?
 - (v) समकालीन लेखकों द्वारा काव्य रचना के लिए ‘ब्रजभाषा’ को न चुनने का लेखक ने क्या कारण बताया है ?
- (ग) मेरे मित्र असे से राजधानी में रह रहे हैं । जाने-माने प्रतिष्ठित लेखक हैं । कड़वी, क्रोधी और टेढ़ी टिप्पणियों के लिए चर्चित होते रहते हैं । लेकिन उनको ठीक से जानने वाले जानते हैं कि इस चुभनभरे नारियली जटाजूट के भीतर कितनी मिठास और तरलता है । कुछ मित्रों की राय है कि उनका यह कड़वा माया कंचुक उनके एकाकी जीवन से निकला है । वे परिवार-बच्चोंवाले होते तो शायद ऐसे न होते । मुझे लगता है, कि यह सही नहीं । शायद तब भी वे ऐसे ही होते क्योंकि हमारे समय में कई

बार एक ईमानदार मर्म की ऊष्मा और तरलता को भाप बनकर उड़ने से बचाने को उसे खुरदरे कम्बल में लपेटना ही पड़ता है ।

प्रश्न :

- (i) प्रस्तुत पंक्तियाँ किस पाठ से ली गई हैं तथा उसके लेखक कौन हैं ?
- (ii) लेखक ने अपने मित्र की तुलना 'नारियली जटाजूट' से क्यों की है ?
- (iii) 'जाने माने प्रतिष्ठित लेखक' की 'कड़वी, क्रोधी और टेढ़ी' टिप्पणियों पर उनेक कुछ मित्रों की क्या राय है ?
- (iv) कड़वी, क्रोधी और टेढ़ी टिप्पणियों पर लेखक की क्या राय है ?
- (v) "एक ईमानदार मर्म खुरदरे कम्बल में लपेटना ही पड़ता है ।" पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ।

2. प्रश्नों के आधार पर प्रस्तुत अनुच्छेद का विश्लेषण कीजिए । भारतीय समाज में दलितों के उभार की प्रक्रिया तेजी से चली है और चल रही है और यह केवल कल के अस्पृश्यों तक ही सीमित नहीं है । सवर्णों के भीतर भी नीचे के स्तर पर दलित और शोषित समूह उभरा है और तथाकथित दलितों में भी ऊपर के स्तर पर एक अभिजात श्रेणी (एलीट) का सृजन हुआ है । दलितों का प्रश्न इस दृष्टि से सवर्ण और नीची जातियों के विभाजन का प्रश्न नहीं, सभी जातियों के आन्तरिक विभाजन और वर्गीकरण का प्रश्न है । सदियों से शोषण, उत्पीड़न व

अन्याय के शिकार रहे लोगों में इस चेतना का जगना कि उनकी समस्याएँ भगवान की दी हुई नहीं हैं, बल्कि मानव प्रदत्त हैं, एक बड़ी उपलब्धि है। यह अपमान से विद्रोह की भावना है, जिसमें परिवर्तन और क्रान्ति के बीज हैं, लेकिन अभी इसे क्रान्तिकारी शक्ति बनना है। ज़रूरत इस बात की है कि उसका लक्ष्य केवल सवर्ण विरोध न रह जाए।

प्रश्न :

- (i) उपर्युक्त अनुच्छेद का केन्द्रीय विचार लिखिए। 2
- (ii) दलितों के सन्दर्भ में इस चेतना का जगना कि उनकी समस्याएँ भगवान की दी हुई नहीं हैं, बल्कि मानव प्रदत्त हैं, एक बड़ी उपलब्धि कैसे है? 4
- (iii) “दलितों में भी ऊपर के स्तर पर एक अभिजात श्रेणी (एलीट क्लास) का सृजन हुआ है।” इस कथन के सन्दर्भ में आपकी क्या राय है? 4
3. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 10
- (i) ‘गुण्डा’ कहानी में ‘गुण्डा’ किस वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है? (गुण्डा)
- (ii) वैज्ञानिक निश्चय और दार्शनिक अनुमान में बड़ा भेद होता है। कैसे? (विज्ञान और धर्म)
- (iii) क्रान्ति के सन्दर्भ में लेखिका की क्या राय है? (समाज और व्यक्ति)
- (iv) सन् 30 से 40 तक के वर्ष हिन्दी साहित्य में किस कारण महत्वपूर्ण रहे हैं?
(आधुनिक हिन्दी साहित्य की राजनीतिक विरासत)

- (v) जातीयता के प्रमुख तत्त्व कौन से हैं ?
(अस्मिताओं का संघर्ष)
- (vi) “स्मृतियों पर आधारित उपन्यास का कोई बँधा बँधाया कथानक नहीं होता ।” लेखक ने यह किस आधार पर कहा ?
(‘आज के अतीत’ से)
- (vii) “व्यंग्य एक प्रकार का हथियार बन जाता है । वास्तविक हथियार नहीं, उसका शाब्दिक विकल्प ।” प्रस्तुत कथन के सन्दर्भ में आपकी क्या राय है ?
(हँसो-हँसो जल्दी हँसो)
- (viii) अमेरिका द्वारा इराक पर चढ़ाई क्यों की गई थी ?
(शक्ति का केन्द्रीकरण)

4. “सूरज का सातवाँ घोड़ा” के आधार पर निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10
- (i) “.....जो इस नैतिक विकृति से अपने को अलग रखकर भी इस तमाम व्यवस्था के विरुद्ध नहीं लड़ते, उनकी मर्यादाशीलता सिर्फ परिष्कृत कायरता होती है ।” यह कथन किस चरित्र के विषय में कहा गया है और क्यों ?
- (ii) लेखक ने सूरज के सातवें घोड़े को सबसे तेजस्वी और शौर्यवान क्यों कहा है ?
- (iii) ‘सूरज का सातवाँ घोड़ा’ की कौन-सी कहानी आपको सबसे ज्यादा पसन्द आई और क्यों ?
- (iv) कहानी के संदर्भ में माणिक मुल्ला के निष्कर्षवाद से आप कहाँ तक सहमत हैं ?
- (v) जमुना और माणिक मुल्ला की कहानी की मार्क्सवादी व्याख्या कैसे की गई है ?

- (vi) उपन्यास के 'मैं' नामक पात्र को माणिक मुल्ला की कहानियाँ सुनने के बाद अजीबोगरीब सपने क्यों आते हैं ?
- (vii) जमुना की ज़िन्दगी में 'घोड़े की नाल' का क्या महत्त्व है ?

अथवा

'यात्राएँ' के आधार पर किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

- (i) नार्वे को 'दुनिया की छत' कहने का क्या कारण है ?
- (ii) अंग्रेजों के जमाने में नैनीताल को "छोटी विलायत" क्यों कहा जाता था ?
- (iii) निकोलस रोरिक की तपोभूमि हिमाचल के किस प्रसिद्ध स्थान के पास स्थित है ?
- (iv) 'सीयन' का अर्थ स्पष्ट करते हुए लिखिए कि इसका सम्बन्ध किस महान व्यक्ति से है ?
- (v) सिगरी उनसत के व्यक्तित्व की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।
- (vi) कुशीनारा के वर्णन में लेखक की भावुकता किस प्रकार झलकती है ?
- (vii) मॉरीशस पर किन-किन विदेशियों ने लगभग कितने वर्षों तक शासन किया ?

5. किसी एक विषय पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए :

8

- (i) एस.एम.एस. की हिन्दी
- (ii) शिक्षा : एक मौलिक अधिकार
- (iii) बाज़ार - दर्शन

6. आत्मकथात्मक शैली में लिखे इस अंश को जीवनी (अन्य पुरुष) शैली में लिखिए ।

5

केबिन में पंखे के नीचे लेटा मैं सुस्ता रहा था जब किसी ने केबिन का दरवाजा खटखटाया । मैंने उठकर दरवाजा खोला तो सामने स्मिता पाटिल खड़ी थीं । मैं चौंका । मैंने सोचा शायद इनकी फिल्म भी यहीं कहीं फिल्माई जा रही है और यह मेकअप करवाने के लिए आई हैं और भूल से गलत केबिन का दरवाजा खटखटा दिया है ।

“नहीं जी, मैं आप ही से मिलने आई हूँ । आप इस फिल्म के लेखक हैं न ? मुझे गोविन्द जी ने बताया तो मैं आपसे मिलने, चली आई ।”

मेरी फिल्म में काम करने की उनकी बड़ी इच्छा पर गर्भवती होने के कारण वह मजबूर थीं । मुझसे मिलकर वह अपनी मजबूरी ही बताने आई थीं ।

7. (क) शब्द कोश की परिभाषा देते हुए हिन्दी विश्व कोश के बारे में लिखिए । 4
- (ख) हिन्दी शब्द कोश में प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित शब्दों को वर्णक्रमानुसार लिखिए : 4
- नीति, शासन, अंकुश, अनुसरण, बेसुरी, बेताल, तमसाच्छन्न, परम्परा

अथवा

निम्नलिखित अवधारणामूलक शब्दों में से किन्हीं दो का अर्थ स्पष्ट कीजिए :

नारीवाद, अस्मिता, विकासवाद, स्वदेशी

8. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार का पदक्रम व्यवस्थित कीजिए : 4
- (i) चुपचाप सो गए करके माणिक मुल्ला गऊमाता का ध्यान ।
- (ii) राजाओं के पुत्र ही करते थे पढ़ा उस समय कॉलेज में ।
- (iii) फिर आ गया सूअर वह निकलकर झूमता हुआ नाली से ।
- (iv) प्रभावित किया था हम लोगों को कहानी ने वास्तव में ।
- (v) भूला नहीं रहता सुबह का भूला लौटकर घर आ जाए तो यदि शाम को ।
- (vi) दिया बछड़ा हमारी गाय ने आज ।
- (vii) थी पुरानी कोठी बगल में घर के माणिक मुल्ला के ।
- (viii) मायके आई जमुना लौटकर ससुराल से ।